(iv) Repairs of sunshades.

(v) Others pertaining to day to day maintenance like repair of water taps, lines, chokage of taps & sewers, petty repairs like carpantry, Masonary, and electric fittings etc.

(c) (c) (i) Construction of boundary wall in some places has been undertaken to check tres-passing and spread of jhuggi clusters in certain localities.

(ii) Individual water tanks have been provided in a number of quarters in some areas for equitable distribution of water supply.

(iii) Day to day routine maintenance problems are solved as soon as possible.

(iv) Repairs to sunshades.

I (d) (i) The problems are being solved by taking up the works of additional amenities after obtaining sanction of the competent authority and carrying out special repairs in addition to attending day-to-day maintenance jobs.

(ii) This is a continuing process and no time frame can be given. Moreover, the works are carried out subject to availability of funds.

पश्चिमी और उत्तरी राज्यों में पर्यटन की संभावनाओं का पता लगाने संबंधी योजनायें

373. **श्री गोविन्दराम मिरी**: क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने पश्चिमी और उत्तरी राज्यों में पर्यटन की उन संभावनाओं का पता लगाने हेतु आठवीं पंच-वर्षीय योजना के दौरान कोई कदम उठाये हैं जिनका अभी तक दोहन नहीं किया गया हैं;

(ख) यदि हां,तो इस संबंध में राज्य-वार ब्यौरा क्या हैं;और

(ग) नौवीं पंच-वष्रीय योजना के दौरान कौन-कौन से विशेष कदम उठाये जाने का विचार हैं?

गागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद): (क) और (ख) जी,हां । आठवीं योजना के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों की गहन विकास के लिए पहचान की गई हैं:-

(1) जैसलमैर-जोधपुर-बीकानेर-बाड़मेर

(2) ऋषिकेश-नरेन्द्र नगर-गंगौत्री-बद्रीनाथ

(3) कुल्लू-मनाली-लेह

(4) मनाली (सोलांग नाला)

(5) कांगड़ा पोंग बांध

(6) विशेष पर्यटन क्षेत्र के रूप में सिंधुदुर्ग तथा दीव ।

(ग) पर्यटक संभावाओं वाले क्षेत्रों की पहचान करना मुख्यत: राज्य सरकारों की जिम्मेवारी हैं तथा यह एक सतत प्रक्रिया हैं । तथापि,भारत सरकार,राज्य सरकारों से प्राप्त विशिष्ट प्रस्तावों पर,उनकी गुणवत्ता.पारस्परिक प्राथमिकता तथा धन की उपलब्धता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं ।

लम्बित सिंचाई हरियोजनाएं

374. **चौधरी हरमोहन सिंह**: क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच हैं कि कई सिंचाई परियोजनाएं कई वर्षो से लम्बित पड़ी हैं;

(ख) यदि हां,तो ऐसी परियोजनाओं का नाम क्या हैं और ये कब-कब शुरू की गई थीं और इनमें विलम्ब के क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार इन लम्बित परियोजनाओं का हल ढूंढ़ने के लिए सांसदों की एक समिति गठित करने का विचार रखती हैं;

(घ) यदि हां,तो उसका ब्यौरा क्या हैं;और

(ड़) यदि नहीं,तो उसके क्या कारण हैं?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी.वी.रंगप्पा नायडू): (क) और(ख) देश में स्वीकृति के लिए लंबित नई,बड़ी एंव मझौली सिंचाई परियोजनाओं का ब्यौरा देते हुए विवरण संलग्न हैं । **(नीचे देखिए)**

(ग) जी नहीं ।

(घ) प्रश्न नहीं उठता ।

(ड़) ये परियोजनाएं केंन्द्रीय जल आयोग द्वारा परिचालित किए गए दिशा-दिर्नेशों के अनुरूप तैयार न